आगे निकलने की चाह में छोड़ रहे हैं वैश्विक विरासत शांति - जयाप्रदा

शांतिवन। 'प्लेटिनम जुबली' के समापन सत्र में मंचासीन हैं सांसद अमर सिंह, फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा, ब्र.कु.चक्रधारी, जर्मनी की ब्र.कु.सुदेश तथा अन्य।

आबू रोड। फिल्म अभिनेत्री एवं राज्यसभा सदस्य जयाप्रदा ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'प्लेटिनम जुबली' समारोह के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय देश आतंकवाद, भ्रष्टाचार व शिक्षा के अभाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इसके लिए देश में जागरूकता लानी होगी तभी हम इस पर अंकुश लगा पायेंगे। उन्होंने राजनीति और कला को अलग-अलग परिभाषित करते हुए कहा कि दोनों का ही सम्बन्ध आमजन से है। इस वजह से लोग इन पर विशेष नजर रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में लोग आगे निकलने की चाह में आध्यात्मिक चिंतन और भगवान से विमुख होते जा रहे हैं। इससे तनाव व परेशानियों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ईश्वर के प्रति आस्था का होना बहुत ही आवश्यक है क्योंकि इसी से आत्मविश्वास बढ़ता है और सफलता हमारे कदम चुमती है। कलियुग के अंत में संस्था की ओर से इंसान व भगवान के बीच रास्ता बनाने का काम किया जा रहा है। जो सराहनीय प्रयास है। पाप को लोहे से व पुण्य को सोने से तोलने से इंसान अपना आईना देख सकता है। उन्होंने भगवान राम, गीता, विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस व महावीर के सिद्धांतों पर भी प्रकाश डाला।

महिला आयोग की अध्यक्षा ममता शर्मा ने कहा कि समय के साथ बदलाव होना स्वाभाविक प्रक्रिया है और हमें इसे स्वीकार कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ रही बुराईयों का सामना करने के लिए हमें आगे आना होगा।

शांतिवन। 'प्लेटिनम जुबली' के अवसर पर 'बाली नृत्य' प्रस्तुत करते हुए नेपाल के कलाकार।

सांसद अमर सिंह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अंदर आध्यात्मिकता सुषुप्त अवस्था में होती है। वर्तमान परिवेश में अध्यात्म की महत्ता और भी बढ़ जाती है। अध्यात्म से जहां एक ओर एकाग्रता बढ़ती है वहीं दूसरी ओर तनाव भी कम होता है। ब्रह्माकुमारी बहनें पूरी विश्व में एक नयी मिशाल कायम की है।

इस अवसर पर विश्वेश्वरैया तकनीकी विश्वविद्यालय के वाइस

शेष पृष्ठ 10 पर

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था वर्तमान समय परमात्म ज्ञान लोगों तक पहुंचा रही है - न्यायमूर्ति ईश्वरैय्या

आबू रोड। पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के इतिहास में शांतिवन परिसर के डायमण्ड हॉल के अंतर्राष्ट्रीय मंच से 'गीता का भगवान कौन' विषय पर धार्मिक चर्चा में समाज के सभी वर्ग के विद्वानों ने मंथन किया। इसमें गीता के लिखे श्लोकों तथा श्रीकृष्ण की कही गयी कई बातों हिंसक, अहिंसक, धर्मग्लानि, अवतरण सम्बन्धी सभी मुद्दों पर चर्चा की गई। विद्वानों ने गीता के प्राचीन और अर्वाचीन स्वरूप पर व्याख्यात्मक विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महाशक्ति पीठाध्यक्ष नई दिल्ली के सर्वानन्द सरस्वती ने कहा कि सभी शास्त्रों में गीता को शिरोमणि शास्त्र के रूप में माना गया है। क्योंकि यही एकमात्र शास्त्र है जिसका ज्ञान स्वयं भगवान के द्वारा दिया गया है। भगवान के रूप में आज भी श्रीकृष्ण दुनिया में पूजे और माने जाते हैं। परंतु गीता में कई ऐसी बातें है जो कहीं न कहीं उनसे और ऊपर जाने और समझने का संकेत देती है। जब महाभारत के युद्ध में अर्जुन को मोह हुआ

तो श्रीकृष्ण ने परमात्मा के दर्शन के लिए अर्जुन को दिव्य दृष्टि दिये तब उन्हें आभास हो सका कि ईश्वर कोई और है तथा यह ईश्वरीय योजना है।

शांतिवन। 'गीता ज्ञान दाता कौन' विषय पर आयोजित सत्र को सम्बोधित करते हुए महाशक्ति पीठाध्यक्ष नई दिल्ली के सर्वानंद सरस्वती तथा मंचासीन हैं संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी, न्यूयार्क की ब्र.कु.मोहिनी बहन, ब्र.कु.रमेश शाह, ब्र.कु.बृजमोहन तथा अन्य।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या ने कहा कि हम सब परमात्मा की संतान हैं। परंतु गीता का भगवान कौन है, इसका रहस्य आज भी बना हुआ है। जबकि ब्रह्माकुमारीज़ निर्विवाद रूप से अपना कार्य कर रहा है।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमेश गर्ग ने कहा कि धर्म स्थापित है इसका उत्थान या पतन नहीं होता। उत्थान अधर्म का होता है और इसे दूर करने के लिए प्रभु का अवतरण होता है। उन्होंने गीता के श्लोकों के माध्यम से बताया कि प्रभु अपने अवतरण काल में दुष्ट कार्यों का नाश करते हैं न कि दुष्टों का। क्योंकि दुष्टवृत्ति का नाश होने से धर्म कीर्ति बढ़ने लगती है। यह नि:संदेह निर्विवाद रूप से सत्य है कि यह अति धर्मग्लानि का समय है। जब परमात्मा को इस सृष्टि पर अवतरित होना चाहिए। दुनिया को बदलने के लिए परमात्मा का कार्य चल रहा है जरूरत है इस बात को जानने और पहचानने की। यह आभास यहां आने से प्रतीत होने लगा है।

गीता की मुख्य व्याख्याकार ब्र.कु.ऊषा ने कहा कि गीता में परमात्मा के सम्बन्ध में कहा गया है कि करोड़ों मनुष्यों में से कोई और उसमें से भी कोई ही मुझे पहचान सकता है। जबकि श्रीकृष्ण को तो हर कोई जानता और पहचानता है। श्रीकृष्ण अगर इस समय ज्ञान देने के लिए आये तो क्या वे करोड़ों अरबों की भीड़ में 'गीता ज्ञान' दे पायेंगे!

शेष भाग पृष्ठ 10 पर

शांतिवन। 'प्लेटिनम जुबली' के सत्र को सम्बोधित करते हुए फिल्म अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर।

फिल्मों से प्रभावित हो रही है आज की पीढ़ी

शांतिवन। फिल्म निर्माता फिल्मों को प्रेरणादायी समझकर ही निर्माण करते हैं। जबकि इसका दुष्प्रभाव समाज पर पड़ रहा है। आज की पीढ़ी जिस तरीके से इसे देखकर बुराई ग्रहण कर रही है वह आने वाले समय के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

उक्त उद्गार मराठी फिल्मों की सिने तारिका वर्षा उसगांवकर ने ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में 'प्लेटीनम जुबली महोत्सव' के कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि अभिनय केवल एक नाटक है और फिल्म देखने वाले लोग इसे केवल एक अभिनय समझकर ही देखें। उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने जिस तरह महिलाओं को आगे रखकर पूरी दुनिया में ज्ञान और सम्मान की ज्योति जगायी है। वह आज के समय के लिए बहुत ही आवश्यक है। अब जरूरी है कि फिल्म उद्योग से जुड़े लोग भी इस वास्तविकता को समझें और जीवन में धारण करें।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं सी.बी.आई के पूर्व निदेशक डी.आर.कार्तिकेयन ने कहा कि आज विश्व विध्वंस के कगार पर खड़ा है, इसे बचाने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था के सिद्धांत ही कारगार सिद्ध हो सकते हैं। पूरे विश्व में मानवता और सद्भाव का जो संदेश यहां से प्रसारित हो रहा है, उसके सहारे विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान पाना संभव है।

आस्ट्रेलिया के सुप्रसिद्ध फिल्म निदेशक रोबिन रामसे ने कहा कि भारत में रची गई गीता का संदेश पूरे विश्व में कहीं न कहीं अपनी अमिट छाप छोड़ता है।

इंटरपोल के उपाध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा ने कहा कि मानव ने जाति और

शेष पृष्ठ 3 पर

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश – 2000 रूपये (वार्षिक)

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें।

पत्र-व्यवहार

ओम् शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।